

प्रेषण

रामानुजरामगिरी  
संपूर्ण ग्रन्थ  
उत्तर प्रदेश शासन ।

लेखा द्वा

प्रिय  
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद्,  
शिक्षा भैरव-2, नई दिल्ली,  
प्राचीन प्रियाराम, नहरिलाला ।

लिखा ०७। अनुभाव

माहिती: दिनांक: ६ अप्रृष्ट, 2000

प्रियजनः— रामानुजरामगिरी शूल, कान्ताराम जी भीमी०स्तो००५ वह दिल्ली से  
संस्कृता छेत्र अनापनीत उमाण पर दिए जाने के लिए हैं।

महोदय

उपर्युक्त विषय पर यह यह छोड़ो जो निम्न द्वारा है कि रामानुजरामगिरी  
शूल कान्ताराम जी भीमी०स्तो००५ वह दिल्ली से संस्कृता छेत्र अनापनीत प्रयाण-  
पत्र दिए जाने में इस राज्य तरफा जो निम्नतिविकल प्रतिक्रिया के अधीन आवश्यक  
नहीं है :-

- 111 विद्यालय की सुन्दरीकृत सोसायटी ०८ तक्ष-तक्ष एवं नदीनीदर्शन बराबर  
जायेगा ।
- 121 विद्यालय की प्रबुद्ध तरिका-में विद्या निम्नों द्वारा यात्रित स्व तदन्त द्वेषा;  
विद्यालय में कम से कम १० प्रतिशत द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति  
के वर्गों के लिये तुरधित संस्कृत और उनसे ३०५० माध्यमिक विद्या परिषद्  
द्वारा संवालित विद्यालयों में विद्यालय उपायों के लिये नियमिता कुल ते  
रायक शुल्क नहीं लिया जायेगा ।
- 141 स्विकार द्वारा राज्य तरफा ते जिसी अनुदान की वर्ती वर्ती की जायेगी  
और उसे पूर्व में विद्यालय माध्यमिक विद्या परिषद् अधिकार देतिह विद्या  
परिषद् के सान्ध्यकार प्राप्त है तथा जो विद्यालय की सुन्दरी केन्द्रीय  
माध्यमिक विद्या परिषद् पर्यायिकी से प्राप्त होती है तो उस परीक्षा  
पर्याय ते उसे केन्द्रीय परिषद्वारा द्वितीय प्राप्त होने की जिम्मी ते ३०५०  
माध्यमिक विद्या परिषद् द्वारा प्राप्त जानकारी तथा राज्य तरफा ते  
प्राप्त अनुदान रखता तथा जन्म भूतों नहीं दिए जायेगे ।
- 151 अन्यथा ऐसी एवं विविधतार विविधताओं के राज्यीय तरीका प्राप्त  
गिराव कीवार्ताओं के विविधताओं को अनुमन्य देनामाने तथा अन्य भूतों  
ते उस देनामाने तथा अन्य भूतों नहीं दिए जायेगे ।
- 161 विविधताओं की देना जारी जायेगी और उन्हें संस्कृता प्राप्त  
अन्यथा विविधताओं के विविधताओं के अन्यतारीयते अनुकूल देना नियमिता का  
तात्पर्य उपलब्ध जायेगी ।
- 171 राज्य तरफा द्वारा सभी सम्भव भी निम्नों द्वारा  
दिए जायेगे ।

- १८०** उपका पालन करेगी ।

**१८१** विद्योग्य वा रिकार्ड निपाईता प्रयोग /विद्यार्थी के रक्त बायेथा ।

**१८२** उपका भासी में राष्ट्र तत्त्वार्थ के पूर्वभिन्नोद्देश के लिए छोड़ परिवर्ती/ तातोधन वा परिवर्ती सहाय प्रिया बोलेगा ।

**२-** उपका प्रसिद्धी वा पालन बनार लैंधा के लिये अनियार्द लोका और परि विद्या तथ्य पठ पाया जाता है जि लैंधा उत्तर उपका प्रसिद्धी वा पालन सही विद्या वा रक्त है इनका वालग करने में विद्या भी पुकार की तृष्ण वा रा लिखिता बहती वा रक्त है तो राष्ट्र तत्त्वार्थ उत्तर प्रदर्शन अपार्टित प्रमाण पर वापस ले लिया जायेगा ।

भृत्य

# । शारदा तन्दू उमिन्दोत्री ।

तुलसा दधिष ।

पुस्तक-226 ।।।।/15-7-2000 राजनीति

**प्रतिलिपि निम्नलिखित हो संखार्य वा अध्ययन शार्यात्तमि छै गोप्य :-**

- १- सिद्धा निटेश्वर, उत्तर प्रदेश, लखनऊ ।
  - २- महाराष्ट्र संस्कृत सिद्धा निटेश्वर, काशीवाडा ।
  - ३- किंतु विद्यालय निरीक्षक, काशीवाडा ।
  - ४- निरीक्षक अधिकारी भारतीय विद्यालय डॉ५०, लखनऊ ।
  - ~~५-~~ प्रश्नपत्र, रामानुजम् पाठ्यकाल सूल लिखित साइन्स, काशीवाडा ।
  - ६- गार्ह कालि ।

EST 4

। ददाम हम्मदर अग्निहोत्री ।  
हम्मदा तथ्यव ।

Sely Alsted.

For BRIJ NATH DINA NATH MEMORIAL  
EDUCATIONAL SOCIETY

*S. Pow* VICE-CHAIRMAN